<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2847

17 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

झारखंड में 'स्टील रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी मिशन आफ इंडिया'

2847. श्री महेश पोद्दारः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि 'स्टील रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया' (एस॰आर॰टी॰एम॰आई॰) देश में अच्छे से कार्य कर रहा है;

(ख) क्या सरकार इस इस्पात अनुसंधान इकाई रांची, झारखंड में निर्मित करने की योजना बना रही है;

(ग) यदि हां, तो इसकी समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस संस्थान का उद्देश्य क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (घ): भारतीय इस्पात अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशन (एसआरटीएमआई) उद्योग-शैक्षणिक संस्थाओं के नेतृत्व में एक निकाय है, जिसकी स्थापना 14 अक्टूबर 2015 को सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 के XXI के तहत की गई थी। शासी बोर्ड निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के एकीकृत इस्पात संयंत्रों के सीईओ, विषय-विशेषज्ञों और इस्पात मंत्रालय के एक प्रतिनिधि (संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी) से मिलकर बना है। वर्तमान में अध्यक्ष, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) एसआरटीएमआई शासी बोर्ड के सभापति हैं। एसआरटीएमआई की गतिविधियों संबंधी सभी निर्णय इस शासी बोर्ड द्वारा लिए जाते हैं। बोर्ड की पिछली बैठकों के कार्यवृत्तों में राँची में इस्पात अनुसंधान इकाई के निर्माण की योजना के बारे में कोई निर्णय नहीं है।

एसआरटीएमआई का मुख्य उद्देश्य आरएंडडी संस्थाओं, उद्योग और शैक्षणिक संस्थाओं के बीच तालमेल बैठाकर सहयोगपूर्ण अनुसंधान के माध्यम से लौह एवं इस्पात क्षेत्र में राष्ट्रीय महत्व के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है।

****